NES High School, Bhandup

Roll.No.: II Preliminary Examination

Date : 05.01.2019 Sub : Hindi (Full) Marks : 50

Std. : X Div : Pages : 07 Time : 2Hrs.

प्र.१) पठित परिच्छेद पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

रामस्वरूप : जवाब दो, उमा। (गोपाल से) हँ-हँ, जरा शरमाती है। इनाम तो इसने-

गो. प्रसाद : (जरा रूखी आवाज में) जरा इसे भी तो मुँह खोलना चाहिए।

रामस्वरूप : उमा, देखो, आप क्या कह रहे हैं। जवाब दो न।

उमा : (हल्की लेकिन मजबूत आवाज में) क्या जवाब दूँ बाबू जी ! जब कुर्सी-मेज बिकती है तब दुकानदार कुर्सी-मेज से कुछ नहीं पूछता सिर्फ खरीददार को दिखला देता है। पसंद आ गई तो अच्छा है, वरना-

रामस्वरूप : (चौंककर खड़े हो जाते हैं।) उमा, उमा !

उमा : अब मुझे कह लेने दीजिए बाबू जी।

गो. प्रसाद : (ताव में आकर) बाबू रामस्वरूप, आपने मेरी इज्जत उतारने के लिए मुझे यहाँ बुलाया था ?

उमा : (तेज आवाज में) जी हाँ, और हमारी बेइज्जती नहीं होती जो आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं ?

शंकर : बाबू जी, चलिए।

गो. प्रसाद : क्या तुम कॉलेज में पढ़ी हो ? (रामस्वरूप चुप)

उमा : जी हाँ, मैं कॉलेज में पढ़ी हूँ। मैंने बी. ए. पास किया है। कोई पाप नहीं किया, कोई चोरी नहीं की और न आपके पुत्र की तरह लड़कियों के होस्टल में ताक-झाँककर कायरता दिखाई है। मुझे अपनी इज्जत, अपने मान का खयाल तो है लेकिन इनसे पूछिए कि ये किस तरह नौकरानी के पैरों में पड़कर अपना मुँह छिपाकर भागे थे।

रामस्वरूप : उमा, उमा !

गो. प्रसाद : (खड़े होकर गुस्से में) बस हो चुका। बाबू रामस्वरूप आपने मेरे साथ दगा किया। आपकी लड़की बी. ए. पास है और आपने मुझसे कहा था कि सिर्फ मैट्रिक तक पढ़ी है। (दरवाजे की ओर बढ़ते हैं।)

उमा : जी हाँ, जाइए, जरूर चले जाइए ! लेकिन घर जाकर जरा यह पता लगाइएगा कि आपके लाड़ले बेटे के रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं- याने बैकबोन, बैकबोन।

Scanned by CamScanner

१) आकृति पूर्ण कीजिए। (०१)

१. दुकानदार इनसे कुछ नहीं पूछता : ☐

२. जो आप इतनी देर से यह कर रहे हैं : ☐

२) परिच्छेद के आधार पर ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए जिसका उत्तर निम्नलिखित शब्द हो। (०१)

शंकर

३) (०२)

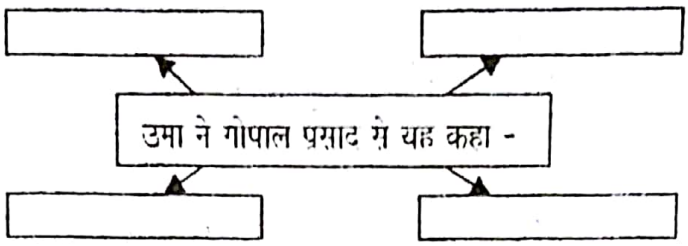

४) १) कृदंत बनाइए। (०१)

१. पढ़ना : २. समझना :

२) परिच्छेद में प्रयुक्त दो अंग्रेजी शब्द खोजकर लिखिए। (०१)

१. ☐ २. ☐

५) स्वमत अभिव्यक्ति (०२)

उमा को गोपाल प्रसाद की किन बातों पर गुस्सा आया?
क्या वह उचित था? इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

प्र.२) पठित परिच्छेद पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

गोवा ! यह नाम सुनते ही सभी का मन तरंगायित हो उठता है और हो भी क्यों न, यहाँ की प्रकृति, आबोहवा और जीवनशैली का आकर्षण ही ऐसा है कि पर्यटक खुद-ब-खुद यहाँ खिंचे चले आते हैं। देश के एक कोने में स्थित होने के बावजूद यह छोटा-सा राज्य प्रत्येक पर्यटक के दिल की धड़कन है। यही कारण है कि मैं भी अपने परिवार के साथ इंदौर से गोवा जा पहुँचा। खंडवा से मेरे साढू साहब भी सपरिवार हमारे साथ शामिल हो गए।

२३ नवंबर को जब 'गोवा एक्सप्रेस' मड़गाँव रूकी तो सुबह का उजास हो गया था। एक टैक्सी के हॉर्न ने मेरा ध्यान उसकी ओर खींचा और हम फटाफट उसमें बैठ गए। टैक्सी एक पतली-सी सड़क पर दौड़ पड़ी। शीतल हवा के झोंकों से मन प्रसन्न हो गया और यात्रा की सारी थकान मिट गई। मैं सोचने लगा कि पर्यटन का भी अपना ही आनंद है। जब हम जीवन की कई सारी समस्याओं से जूझ रहे हों तो उनसे निजात पाने का सबसे अच्छा तरीका पर्यटन ही है। बदले हुए वातावरण के कारण मन तरोताजा हो जाता है तथा शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल जाता है।

Scanned by CamScanner

कुछ देर बाद हमारी टैक्सी मडगाँव से पाँच किमी दूर दक्षिण में स्थित कस्बा बेनालियम के एक रिसॉर्ट में आकर रूक गई। यह रिसॉर्ट हमने पहले से बुक कर लिया था। इसलिए औपचारिक खानापूर्ति कर हम आराम करने के इरादे से अपने-अपने स्यूट में चले गए। इससे पहले कि हम कमरों से बाहर निकलें, मैं आपको गोवा की कुछ खास बातें बता दूँ। दरअसल, गोवा राज्य दो भागों में बंटा हुआ है। दक्षिण गोवा जिला तथा उत्तर गोवा जिला। इसकी राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है।

१)आकृति पूर्ण कीजिए। (०२)

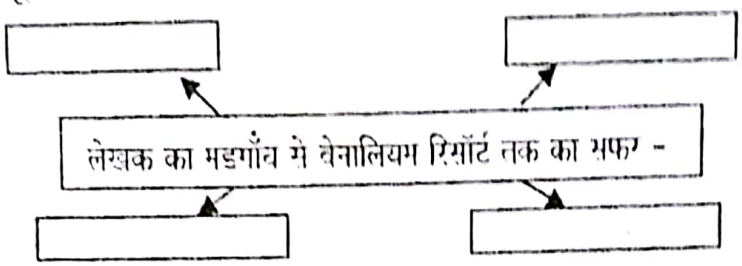

२) (०२)

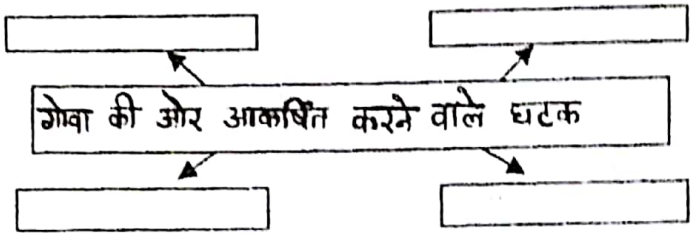

३) १)परिच्छेद में प्रयुक्त उर्दू शब्द खोजकर लिखिए। (०१)

१. _____ २. _____

२)परिच्छेद में प्रयुक्त उपसर्गयुक्त शब्द खोजकर लिखिए। (०१)

१. _____ २. _____

४) स्वमत अभिव्यक्ति

'पर्यटन' के विषय में अपने विचार लिखिए। (०२)

प्र.३) पठित पदयांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम
भिक्षु होकर रहते सम्राट, दया दिखलाते घर-घर घूम।
'गोर्गि' को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं।...

१) (०१)

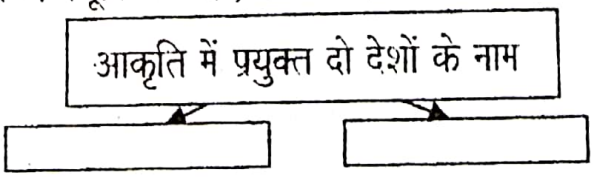

Scanned by CamScanner

२) कविता में प्रयुक्त दो धातुओं के नाम (०१)

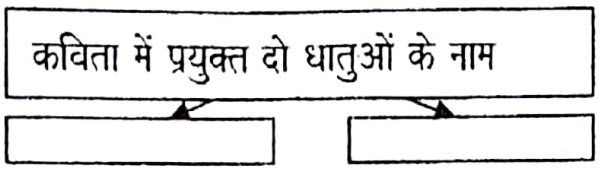

३) आकृति पूर्ण कीजिए। (०२)

१. हमने गोरी को इसका दान दिया : ☐

२. भारत की धरती पर इसकी धूम रही : ☐

४) उपर्युक्त पदयांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (०२)

प्र. ४) पठित पदयांश पर आधारित कृतियाँ कीजिए।

हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार
उषा ने हँस अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार।
जगे हम, लगे जगाने विश्व, लोक में फैला फिर आलोक
व्योमतम पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।
विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल कर में सप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम संगीत। .....

१) पदयांश से संबंधित ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए, जिसका उत्तर निम्नलिखित हो। (०१)

अभिनंदन

२) विधानों के सामने सत्य /असत्य लिखिए। (०२)

१. जब पूरा विश्व जगा तो भारतवासी भी जग गए।
२. वीणा वाणी ने अपने हाथ में वीणा ली।
३. हिमालय के आँगन में किरणों का उपहास मिला।
४. सप्तसिंधु में सातों स्वर गूँजने लगे।

३) निम्नलिखित शब्दों के लिए पदयांश में प्रयुक्त शब्द खोजकर लिखिए। (०१)

१. संपूर्ण : २. शोकरहित :

४) उपर्युक्त पदयांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (०२)

प्र. ५ पठित (पूरक पठन) गदयांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

सिरचन जाति का कारीगर है। मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुर्च्ची बनाता। फिर कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त।... काम करते समय उसकी तन्मयता में जग भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठना -"फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम ! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं।"

बिना मजदूरी के पेट भर भात पर काम करने वाला कारीगर ! दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता।

Scanned by CamScanner

सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं। तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ; दुम हिलाता हुआ हाजिर हो जाएगा। खाने-पीने में चिकनाई की कमी हुई कि काम की सारी चिकनाई खत्म ! काम अधूरा रखकर उठ खड़ा होगा - "आज तो अब अधकपाली दर्द से माथा टनटना रहा है। थोड़ा-सा रह गया है, किसी दिन आकर पूरा कर दूँगा।" 'किसी दिन' माने कभी नहीं !

मोथी घास और पटरे की रंगीन शीतलपाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी-चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी-टोपी तथा इसी तरह के बहुत-से काम हैं जिन्हें सिरचन के सिवा गाँव में और कोई नहीं जानता। यह दूसरी बात है कि अब गाँव में ऐसे कामों को बेकाम का काम समझते हैं लोग। बेकाम का काम जिसकी मजदूरी में अनाज या पैसे देने की कोई जरूरत नहीं। पेट भर खिला दो, काम पूरा होने पर एकाध पुराना-धुराना कपड़ा देकर विदा करो। वह कुछ भी नहीं बोलेगा।

१) आकृति पूर्ण कीजिए। (०१)

१.

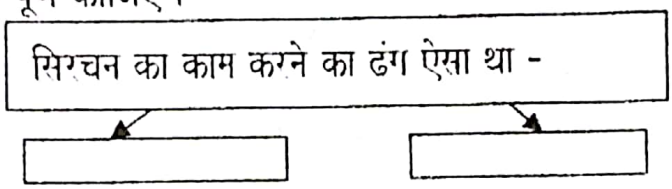

२. (०१)

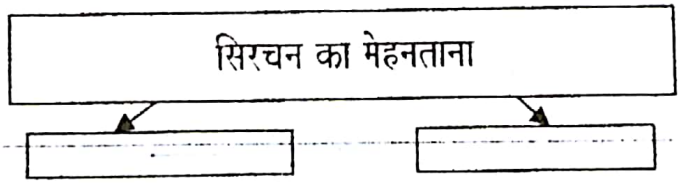

२) स्वमत अभिव्यक्ति (०२)

'कला और कलाकार का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

प्र.६) पठित (पूरक पठन)पद्यांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

घना अँधेरा
चमकता प्रकाश
और अधिक
करते जाओ
पाने की मत सोचो
जीवन सारा

Scanned by CamScanner

जीवन मैया
मँझधार में डोले,
सँभाले कौन?

रंग-बिरंगे
रंग-संग लेकर
आया फागुन।

१) एक शब्द में उत्तर लिखिए। (०१)

१. खिले हुए ः .....

२. मँझधार में डोले ः .....

२) (०१)

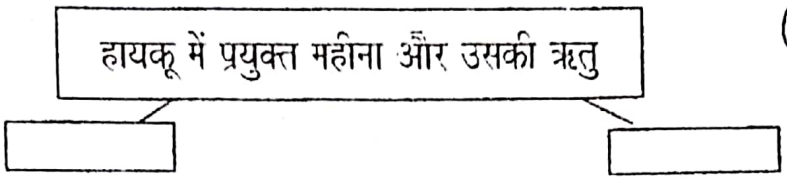

३) स्वमत अभिव्यक्ति (०२)

"करतो जाओ
पाने की मत सोचो
जीवन सारा"

उपर्युक्त पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। (०२)

प्र.७ व्याकरण कृतियाँ

१) अधोरेखांकित शब्दों के भेद लिखिए। (०१)

१. हम मड़गाँव २३ नवंबर को पहुँचे।

२. मैं उनसे पूछने लगा।

२) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्ययों को पहचानकर उनके भेद लिखिए। (०१)

१. यहाँ पर्यटक बड़ी संख्या में आतें हैं।

२. बेनालियम बीच रेतीला तथा उथला है।

३) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए। (०१)

कभी-कभी

४) निम्नलिखित वाक्यों का काल परिवर्तन कीजिए। (०२)

१. मंत्री जी ने लोगों को एक मशवरा दिया। (पूर्ण वर्तमान काल)

२. गोवा में मुझे मेरे पुराने अध्यापक मिले थे। (सामान्य भूतकाल)

Scanned by CamScanner

५) निम्नलिखित शब्द का संधि विच्छेद कीजिए और भेद लिखिए। (०१)

स्वच्छ ः ....

६) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। (०१)

गोवा राज्य दो भागों में बँटा हुआ है।

७)१. सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए। (०१)

गोपाल प्रसाद शंकर का विवाह उमा से करेंगे। (प्रश्नवाचक वाक्य)

२. रचना के अनुसार वाक्य का प्रकार पहचानकर लिखिए। (०१)

उमा से कह देना कि जरा करीने से आए।

प्र. ८ उपयोजित लेखन

'लालच बुरी बला है' इस सुवचन पर आधारित कहानी लिखिए।
शीर्षक और सीख भी लिखिए। (०५)

.....

Scanned by CamScanner